Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12

© www.ncerthelp.com

संकलित परक्षा - 1 (2012)

विषय - हिंद

कक्षा - नवीं

निर्धारित समय: 3 घण्टे अधिकतम अंक: 90

निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड है -
   - खंड क – 20 अंक
   - खंड ख – 15 अंक
   - खंड ग – 35 अंक
   - खंड घ – 20 अंक
2. चारो खंडो के प्रश्नो के उत्तर देना अनिवार्य है।

खंड-क

(अपठित गद्यांश)

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नो के उत्तर के विकल्प छाँटकर लिखिए -

राजनैतिक पराधीनता बड़ी बुरी वस्तु है। वह मनुष्य को जीवन यात्रा में अग्रसर होने वाली सुविधाओं से वंचित कर देती है। हमे उस पराधीनता की जंजीरे तोड़ दी है लेकिन सुविधा का पा लेना ही बड़ी बात है है। प्राप्त सुविधाओं को मनुष्य मात्र के मंगल के लिए नियोजित कर सकना ही बड़ी बात है। हमारी राजनीति, हमारी अर्थनीति, और हमारी नव निर्माण की योजनाएं तभी सर्वमंगलमयी विधायनी बन सकेगी जबकि हमारा ह्रदय उदार और संवेदनशील होगा, बुद्धि सूक्ष्म और सारग्रहिणी होगी, संकल्प महान और शुभ होगा। यह काम केवल उपयोगी और व्यावहारिक साहित्य के निर्माण से ही नही हो सकेगा। इसके लिए साहित्य के उन सुकुमार अंगों के व्यापक प्रचार की आवश्यकता होगी जो मनुष्य हो मनुष्य के सुख-दुख के प्रति संवेदनशील बनाते है। हमारा काव्य साहित्य, कथा, आख्यायिका और नाटक साहित्य ही हमे ऐसी सहृदयता दे सकता है। साहित्य का यह अंग केवल वाग्विलास का साधन नही होना चाहिए, उसे मनुष्यता का उन्नायक होना चाहिए।

(i) मनुष्य को जीवन यात्रा में अग्रसर होने वाली सुविधाओं से वंचित कर देती है, -

a) राजनैतिक पराधीनता

b) राजनैतिक स्वाधीनता

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12
© www.ncerthelp.com

c) मानसिक स्वाधीनता

d) मानसिक पराधीनता

(ii) सुविधा पा लेना ही बड़ी बात नही है, बड़ी बात तो है प्राप्त सुविधाओं को:-

a) मनुष्य मात्र के मंगल के लिए नियोजित करना।

b) मनुष्य मात्र के अमंगल के लिए नियोजित करना।

c) स्वयं के लिए नियोजित करना।

d) लाभकारी बनाना।

(iii) 'राजनैतिक' शब्द में प्रयुक्त मूल शब्द और प्रत्यय है -

a) राजनीति + इक

b) राजनैति + इक

c) राजनैति + ईक

d) राजनीति + ईक

(iv) मनुष्य को सहृदयता दे सकता है -

a) हमारा काव्य साहित्य, कथा आख्यायिका, और नाटक साहित्य।

b) हमारा परिवेश।

c) हमारी चिंतन प्रवृति।

d) हमारा पड़ोस।

(v) वाग्विलास का साधन साहित्य का यह न होकर ही, -

a) मनुष्यता का उन्नायक

b) स्वाधीनता का उन्नायक

c) इंसानियत का उन्नायक

d) पराधीनता का उन्नायक

2. निम्नलिहित गद्यांश को पड़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प छांटकर लिखिए-

कभी-कभी अचानक ही विधाता हमे ऐसे विलक्षण व्यक्तित्व देता है, जिसे देख स्वयं अपनी जीवन रिक्तता बहुत छोटी लगने लगती है। हमे तब लगता है कि भले ही उस अंतर्यामी ने हमे जीवन में कभी अकस्मात अकारण ही दंडित कर दिया हो किन्तु हमारे किसी अंग को हमसे विच्छिन्न कर हमे उसमे वंचित तो नही किया। फिर भी हममें से कौन ऐसा मानव है जो अपनी विपत्ति कठिन क्षणों में विधाता को दोषी नही ठहराता। मैंने अभी पिछले ही महीने, एक ऐसी अभिशप्त काया देखी है जिसे विधाता ने कठोरतम दंड दिया है। किन्तु वह उसे नतमस्तक आनंदपूर्ण मुद्रा में झेल रही

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

© www.ncerthelp.com

है, विधाता को कोसकर नही। विकट परिस्थितियों में अपराजित बनी रहने वाली इस महिला की जीवन-गाथा निश्चय ही कठिनाइयों से जूझने और जीवन को चुनौतियों का साहसपूर्ण सामना करने की प्रेरणा प्रदान करती है।

(i) अपनी जीवन-रिक्तता तब छोटी लगने लगती है जब हम एक:

a) सामान्य व्यक्ति से मिलते है

b) विलक्षण व्यक्ति मिल जाता है

c) सन्यासी भेंट हो जाती है

d) धोकेबाज मिल जाता है

(ii) विधाता शब्द का अर्थ है:

a) प्रभु

b) महात्मा

c) विलक्षण व्यक्ति

d) विधायक

(iii) इसको कभी जीवन में अकस्मात आकारण दंडित कर देता है:

a) मानव

b) दुश्मन

c) ईश्वर

d) राजा

(iv) जीवन-गाथा में समास है:

a) तत्पुरुष

b) द्विगु

c) द्वंद्व

d) कर्मधारय

(v) अपराजिता का अर्थ है:

a) हारने वाली

b) हराने वाली

c) जिसने कभी हार न मानी हो

d) डराने वाली

3. निम्नलिहित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नो के उत्तर लिखिए -

© www.ncerthelp.com

असहाय किसानों की किस्मत को खेतों में,
क्या अनायास जल में वह जाते देखा है?
क्या खाएँगे? यह सोच निराशा से पागल,
बेचारों को भूखें रह जाते देखा है?

देखा ह ग्रामों की अनेक रंभाओं को,
जिनकी आभा पर धूल अभी तक छाई है?
रेशमी, देह पर जिन अभागिनों की अब तक,
रेशम, क्या? साडी सही नही चढ़ पाई है?

पर तुम नगरों के लाल, अमीरी के पुतले,
क्यों व्यथा भाग्यहीनों की मन में लाओगे?
जलता हो सारा देश किन्तु होकर अधीर,
तुम दौड़-दौड़कर क्यों यह आग बुझाओगे।

(i) उपर्युक्त काव्यांश में किसकी किस्मत को अनायास जल में बह जाते बताया है?

a) नेताओं की
b) किसानों की
c) नागरिको की
d) समाजसेवियों की

(ii) किसकी आभा पर धूल छाई हुई है?

a) ग्रामीण लोगो की
b) शहरी लोगो की
c) ग्रामों की रंभाओं की
d) दुखी लोगों की

(iii) 'रेशमी देह' में 'रेशमी' शब्द व्याकरण की दृष्टि से क्या है?

a) संज्ञा
b) सर्वनाम
c) विशेषण
d) क्रिया

(iv) 'समीरी के पुतले' किसे कहा गया है?

a) किसान को

© www.ncerthelp.com

b) पूँजीपतियों को

c) मजदूर को

d) गाँव वालों को

(v) यहाँ कवि किसकी किस्मत के बारे में बता रहा है?

a) किसानों की

b) नगरवासियों की

c) औरतों की

d) बच्चों की

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़िए तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प छाँटकर लिखिए -

अब न गहरी नींद में तुम सो सकोगे,
गीत गाकर मैं जगाने आ रहा हूँ।
अटल अस्पताल तुम्हे दूँगा,
अरुणा उदयाचल सजाने आ रहा हूँ।
कल्पना में आज तक रहे तुम,
साधना से सिहरकर मुड़ते रहे तुम।
अब तुम्हे आकाश में उड़ने न दूँगा,
आज धरती पर बसाने आ रहा हूँ।
सुख नही यह, नींद में सपने सँजोना,
दुख नही यह, शीश पर गुरू भार ढोना।
शूल तुम जिसको समझते थे अभी तक,
फूल मैं उसको बनाने आ रहा हूँ।

(i) कवि किसे जगाने का प्रयत्न कर रहा है?

a) असावधान व बेखबर लोगों को

b) छोटे बच्चों को

c) अपने भाई-बहनों को

d) गहरी नींद में सोए हुए को

(ii) 'अस्ताचल में जाने न दूँगा' से कवि का क्या तात्पर्य है-

a) सूर्य छिपता जा रहा है

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12
© www.ncerthelp.com

b) पतन की रह पर न चलने देना

c) अकेले नही जाने देना

d) सूर्य की लालिमा का वर्णन

(iii) "साधना से सिहरकर मुडते रहे तुम" में अलंकार है-

a) अनप्रास

b) यमक

c) श्लेष

d) रूपक

(iv) "दुख नही वह शीश पर गुरु भार लेना" का भाव है -

a) बड़े काम करना अच्छा होता है

b) संघर्षों को दुख नही मानना चाहिए

c) संघर्ष करना होगा

d) काम करना दुखपूर्ण नही होता है

(v) कवि अज्ञानियों को धरती पर किस-प्रकार बसाना चाहता है?

a) ज्ञान देकर

b) धन-धान्य से मदद करके

c) यथार्थ से परिचित करवा कर

d) मकान बनाकर दे रहा है

© www.ncerthelp.com

खण्ड - ख

(व्याकरण)

5. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए -

a) 'अनादि' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग और मूल शब्द लिखिए।

b) 'अभि' उपसर्ग लगाकर दो शब्द बनाइए।

c) 'भारतीय' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय और मूल शब्द लिखिए।

d) 'कार' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए।

e) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कर समास का नाम लिखिए।

a) दुरात्मा

b) आमरण

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12
© www.ncerthelp.com

c) पंचवटी

6. निम्नलिखित निर्देशो को पढ़कर उत्तर दीजिए -

(i) अर्थ के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों को पहचान कर उनके भेद लिखिए।

a) मैं चाहता हूँ कि तुम एक गीत गाओ।

b) शायद वह सो रहा है।

(ii) निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए।

a) गीता गीत गए रही है। (इच्छावाचक)

b) वह खाना खा रहा है। (संदेवाचक)

7. निम्नलिखित पद्यांशों में प्रयुक्त अलंकारों की पहचान कर उनके नाम लिखिए।

a) ना मैं देवल ना मैं मस्जिद, ना काबे कैलाश में।

b) उलझा हूँ चंचल मन-कुरंग

c) वह जिंदगी क्या जिंदगी जो सिर्फ पानी सी भी।

d) मानो मिला मित्र पुराना।

खंड(ग)

(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पुस्तिका)

8. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

अब हम तिहंरी के विशाल मैदान में थे जो पहाड़ो से घिरा टापू-सा मालूम होता था, जिसमे दूर एक छोटी-सी पहाड़ी मैदान के भीतर दिखाई पढ़ती है। उसी पहाड़ी का नाम है तिहंरी समाधि गिरी। आसपास के गाँव में भी सुमति के कितने ही यजमान थे। कपड़े को पतली-पतली चिरी बत्तियों के गंडे खत्म नही हो सकते थे क्योंकि बोधगया से लाए गए कपड़े के खत्म हो जाने पर किसी कपड़े से बोधगया का गंडा बना लेते थे।

a) गद्यांश में वर्णित तिहंरी मैदान कैसा थे और वह कैसा मालुम होता था?

b) तिहंरी समाधि गिरी के बारे में संक्षेप में लिखिए।

c) तिहंरी के आसपास के गाँवों में सुमति किस तरह जुड़े हुए थे?

9. निम्नलिखित प्रश्नो के संक्षिप्त उत्तर दीजिए -

a) सालिम अली के बचपन की वह कौन सी घटना थी, जिसने उन्हें पक्षी-प्रेमी बना दिया।

b) वस्तुओं को खरीदते समय वस्तु की गुणवत्ता, उपयोगिता, विज्ञापन की चमक-दमक में से किन बातों को महत्त्व देना चाहिए? तर्क सहित स्पष्ट कीजिए।

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

© www.ncerthelp.com

c) बैल का स्थान गधे से नीच क्यों कहा गया है? पठित पाठ के आधार पर लिखिए

d) तिब्बत में डाँडे के मार्ग में आदमी कम क्यों दिखाई देते है? पठित पाठ के आधार पर बताइए।

e) सालिम अली का अंतिम पलायन क्या था और वह कहाँ से हो रहा था?

10. निम्नलिखित काव्यांश को पड़कर पूछे गए प्रश्नो के उत्तर दीजिए।

पीले मीठे अमरूदों में
अब लाल-लाल चित्तियाँ पड़ी,
पक गए सुनहले मधुर बेर,
अँवली से तरु की डाल बड़ी।
तलहल पालक, महमह धनियाँ,
लौकी औ सेम फली, फैली
मखमली टमाटर हुए लाल
मिर्चों की बड़ी हरी थैली।

a) खेतों में सब्जियों पर बहार कैसी है? अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिये -

b) पेड़ों की ऊँचाई पर बेर और आँवलें कैसे हो गए है?

c) पके हुए अमरुद कैसे दिखाई देते है?

11. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए -

a) "सम खा तभी होगा समभाली" का भाव स्पष्ट कीजिए तथा बताइए कि इस प्रकार प्रकृति से हमे क्या लाभ होगा?

b) "पहरे की हुंकृति की व्याली" का आशय स्पष्ट कीजिए कि इस पंक्ति में कवि की किस स्थिति तथा मनस्थिति का परिचय प्रगट होता है? स्पष्ट कीजिए।

c) कवि पंत जी ने खेतों में फैली हुई हरियाली को किसके समान बताया है तथा कहाँ दिखाई देती है? स्पष्ट कीजिए।

d) "जोग जुगति करि संतौ बाँधी, निरचू चुवैं न पाँणी" पंक्ति में अलंकार बताइए? इस पंक्ति विशेषता बताई गई है?

e) कवि रसखान किस स्तिथि में कालिंदी के किनारे के कदंब की ढालों पर अपना बास बनाना चाहते है तथा उनकी इस तरह की इच्छा किस कारण इतनी प्रबल हो रही है?

12. लेखक रेणु द्वारा अपने घर के पास आए हुए बाढ़ के पानी के वर्णन व प्रसंग को लिखिए। इससे लोगों के किस प्रकार के विचारों की झलक मिलती है? यदि आप इस दृश्य को देख रहे होते तो क्या करते?

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12

© www.ncerthelp.com

खंड-घ

(लेखक)

13. भाग्य और कर्तव्य

a) भूमिका

- कर्तव्य से भाग्य का निर्माण
- अलसी असफल
- अवसर के अनुकूल परिश्रम
- उपसंहार

अथवा

b) विज्ञापन के बढ़ते चरण

- प्रस्तावना
- विविध क्षेत्रों में प्रगति
- प्रतिरक्षा - क्षेत्र में प्रगति
- परिमाण, विद्युत ऊर्जा क्षेत्र
- उपसंहार

अथवा

c) हमारा राष्ट्र भारत

- प्रस्तावना
- संस्कृति
- सत्य, शान्ति, अहिंसा
- चहुँमुखी विकास
- उपसंहार

14. समय का सदुपयोग करते हुए परिश्रम पूर्वक पड़ने की सलाह देते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

15. आपके पिता जी द्वारा घर पर ही कुछ साहित्यकारों को कल आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर "हिंदी भाषा के अध्ययन" विषय पर परिचर्चा हुई। इस परिचर्चा का प्रतिवेदन-प्रस्तुत कीजिए।

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12